रोपण

वर्षाकाल में रोपण करने पर अच्छा परिणाम प्राप्त होता है। 3मी0 X 3मी0 की स्पेसिंग पर रोपण करना उपयुक्त होता है।

समयबद्ध कार्यक्रम

क्र.स.	कार्य	वर्ष	माह
वर्धी प्रवर्धन			
1	स्वस्थ पौधों का चयन	–	कभी भी
2	स्वस्थ पौधों से कटिंग प्राप्त करना/लगाना	प्रथम वर्ष	मार्च द्वितीय सप्ताह
3	रूटेड कटिंग का रूट–ट्रेनरों/पॉलीथीन में प्रत्यारोण	प्रथम वर्ष	सितम्बर–अक्टूबर
4	पौध का रखरखाव	द्वितीय वर्ष	–
5	रोपण	द्वितीय वर्ष	जुलाई
बीज द्वारा पौध तैयार करना			
1	स्वस्थ व रोगमुक्त पौधों से बीज एकत्रीकरण	प्रथम वर्ष	जनवरी
2	मिस्ट चैम्बर में बीज बुआई	प्रथम वर्ष	मार्च–अप्रैल
3	अंकुरित पौधों का प्रत्यारोपण	प्रथम वर्ष	जुलाई–अगस्त
4	पौध का रखरखाव	प्रथम व द्वितीय वर्ष	–
5	रोपण कार्य	तृतीय वर्ष	जुलाई

विस्तृत जानकारी हेतु सम्पर्क करें:

1– मुख्य वन संरक्षक, जैव विविधता संरक्षण, विकास एवं अनुसंधान
मो0– 9412076135, 05946–234047
2– वन संरक्षक , अनुसंधान वृत्त हल्द्वानी
मो0 9458192126, 0596–235136
3– वन वर्धनिक, पर्वतीय, उत्तराखण्ड, नैनीताल
मो0 09458192184, 05942–236270

अनुसंधान पत्रक 3/2015-16

इकदानिया

(Bridelia retusa)

पौध उत्पादन प्राविधि

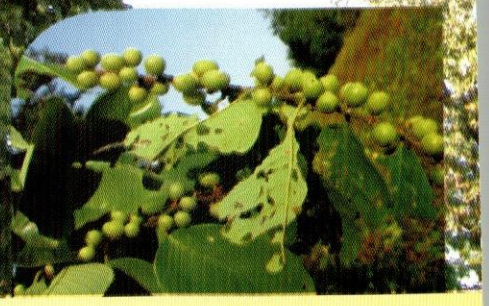

वन वर्धनिक, उत्तराखण्ड, नैनीताल
उत्तराखण्ड वानिकी अनुसंधान संस्थान, हल्द्वानी
वन विभाग, उत्तराखण्ड

इकदानिया
(Bridelia retusa)

परिचय

इकदनिया मध्यम आकार का पर्णपाती वृक्ष प्रजाति है, जिसकी ऊँचाई लगभग 18 मी0 तक होती है। यह साधारणतया साल वृक्षों के साथ भावर व उप–हिमालयी क्षेत्रों में समुद्र तल से लगभग 915 मी0 ऊँचाई तक छाया वाले भागों पर पाया जाता है। पुष्पण मई से जून तथा फलत जनवरी से फरवरी के मध्य तक होता है। यह चारा–पत्ती के साथ–साथ कृषि हेतु काष्ठ भी प्रदान करता है। छाल औषधि के रूप में प्रयोग की जाती है। इसकी काष्ठ का उपयोग कृषि यन्त्र, कार्ट एवं भवन निर्माण आदि में किया जाता है।

प्रवर्धन प्राविधि

इकदानिया का प्रवर्धन बीज तथा कटिंग द्वारा किया जा सकता है।

वर्धी प्रवर्धन (कटिंग द्वारा पौध तैयार करना)

- स्वस्थ्य पौधों का चयन करें एवं फरवरी द्वितीय सप्ताह में शाखाओं से 10–15 सेमी0 लम्बी कटिंग तैयार करें।
- कटिंग आई0बी0ए0 5000 पी0पी0एम0 से उपचारित कर मिस्ट चैम्बर में बालू तथा वर्मीकुलाईट माध्यम में रोपित करें।
- कटिंग में लगभग 65–70 प्रतिशत पौधों में रूटिंग प्राप्त होती है।
- जड़ युक्त पौधों का प्रत्यारोपण 300सी0सी0 के रुट–ट्रेनर अथवा 9''x 6'' के पॉलीबैग में मिट्टी व वर्मीकम्पोस्ट (2:1) मीडियम में करते हैं।

बीज द्वारा पौध तैयार करना

उच्च गुणवत्ता के परिपक्व बीज स्वस्थ व रोग मुक्त पौधों से माह जनवरी में एकत्र करते हैं। एकत्रित बीज को साफ कर सुखाकर भंडारित करते हैं। माह मार्च–अप्रैल में बीज को पानी में 12 घंटे भिगाने के उपरांत मिस्ट चेम्बर के अन्दर जर्मिनेशन ट्रे में बालू में बुआई करते हैं। बुआई का कार्य लाइन में किया जाना उपयुक्त पाया गया है। 2–3 सप्ताह में बीज में अंकुरण प्रारम्भ हो जाता है तथा इस विधि से लगभग 25–30 प्रतिशत अंकुरण 49 दिनों में प्राप्त होता है।

पौध प्रत्यारोपण

अंकुरित पौधों का प्रत्यारोपण जुलाई में किया जाना चाहिए, जब उसमें कम से कम 3–4 पत्तियॉ आ जाय। प्रत्यारोपण हेतु पौधों को जर्मीनेशन ट्रे से सावधानीपूर्वक निकालना चाहिए तथा प्रत्यारोपण के समय पौधे को कालर के बजाय पत्ते से पकड़ना चाहिए। प्रत्यारोपण 300सी0सी0 के रूट–ट्रेनर अथवा 9''x 6'' के पॉलीबैग में शेड हाउस में करने पर अच्छा परिणाम प्राप्त होता है। पॉटिंग मीडियम मिट्टी+वर्मीकम्पोस्ट (2:1) उपयुक्त पाया गया है। अगले वर्ष फरवरी–मार्च में पौधों को खुले स्थान पर रखना चाहिए तथा नियमित रूप से सिंचाई करनी चाहिए। लगभग 14–15 माह में बीज द्वारा उगाये गये पौध रोपण हेतु तैयार हो जाते हैं।